समता आन्दोलन समिति (रजि.)

प्रान्तीय कार्यालय :जी-3, संगम रेजीडेन्सी, प्लाट नं. 9-10, गंगाराम की ढाणी, वैशाली नगर, जयपुर

Website :www.samtaandolan.co.in Email :samtaandolan@yahoo.in

माननीय श्री पानाचन्द जैन — संरक्षक (पूर्व न्यायाधिपति)

माननीय श्री अशोक कुमार सिंह — संरक्षक (पूर्व मेजर जनरल)

माननीय श्री भागीरथ शर्मा — संरक्षक (पूर्व आई. ए. एस.)

पाराशर नारायण शर्मा
अध्यक्ष, मो. 094133-89665

विमल चौरड़िया
महासचिव , मो. 094140-58289

ललित चाचाण
कोषाध्यक्ष , मो. 094140-95368

प्रान्तीय उपाध्यक्ष एवं पदेन सम्भागीय अध्यक्ष :-

जयपुर
ऋषिराज राठौड़
मो. 9694348039

अजमेर
एन. के.झामड़
मो. 9414008416

बीकानेर
वाई. के. योगी
मो. 9414139621

भरतपुर
हेमराज गोयल
मो. 9460926850

जोधपुर
कैलाश राजपुरोहित
मो. 8963095311

कोटा
डॉ. अनिल शर्मा
मो. 9414662244

उदयपुर
दूल्हा सिंह चूण्डावत
मो. 9571875488

क्रमांक 54812 दिनांक : 04.01.2021

श्रीमान श्री श्रीपद येसो नाइक
माननीय आयुष मंत्री, भारत सरकार,
नई दिल्ली।

विषयः–आयुर्वेद औषधियों से कोविड–19 के बचाव और उपचार के आंकड़े सॉफ्टवेयर के जरिये एकत्र करने हेतु।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि आयुष मंत्रालय द्वारा आयुर्वेद एवं योग–प्राणायाम के आधार पर कोविड–19 महामारी से बचाव, उपचार और स्वास्थ्य लाभ का जो नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल दिनांक 06.10.2020 को जारी किया गया है वह बेहद कारगर साबित हो रहा है। इसी प्रकार आयुष मंत्रालय द्वारा एक प्रोटोकॉल अप्रेल, 2020 को भी जारी किया गया था।

कृपया इस पत्र के साथ संलग्न राजस्थान के प्रतिष्ठित अखबार राजस्थान पत्रिका में दिनांक 24.12.2020 को छपी खबर का अवलोकन करें। यह आंकड़ा बेहद महत्वपूर्ण है कि 98.88 प्रतिशत प्रभावितों को पता ही नहीं चला कि उन्हें कोविड हुआ। इस आधार पर केवल राजस्थान में लगभग दो करोड़ 'मिस्ड–केसेज' का अनुमान है तो पूरे देश में यह आंकड़ा कितना बड़ा होगा? इस सुखद स्थिति के लिए आयुष मंत्रालय द्वारा जारी उपरोक्त प्रोटोकॉल अप्रेल, 2020 एवं दिनांक 06.10.2020 की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इसी प्रकार माननीय प्रधानमंत्री महोदय द्वारा समय–समय पर किये गये राष्ट्र के नाम सम्बोधनों में आयुर्वेद, योग–प्राणायाम आदि का अनुसरण करने की सलाहों का भी बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हम और हमारे संगठन के हजारों कार्यकर्ता लाखों ऐसे लोगों को जानते हैं जो आयुर्वेद, योग–प्राणायाम, गोमूत्र, स्वमूत्र आदि विधाओं के उपयोग से कोविड–19 से बचे हुये हैं या पोजिटिव होने के बाद इन्हीं के उपयोग से ठीक हो गये हैं।

हमारी जानकारी के अनुसार भारत देश में भारतीय चिकित्सा पद्धतियों द्वारा कोविड–19 महामारी की रोकथाम और उपचार में किये गये व्यापक योगदान को प्रामाणिक रूप से स्थापित करने वाले आंकड़े एकत्र करने का कोई प्रयास नहीं किया गया है। हमारी प्रार्थना है कि भारत सरकार का आयुष मंत्रालय तत्काल एक ऐसा सॉफ्टवेयर तैयार करावे जिसके आधार पर पूरे भारत देश में गांव, तहसील, जिले, सम्भाग एवं राज्यवार ऐसी सूचनाएँ/आंकड़े एकत्र किये जावें कि विभिन्न भारतीय चिकित्सा पद्धतियों, औषधियों और विधाओं का कोविड–19 महामारी की रोकथाम व उपचार में कितना बड़ा योगदान रहा है। सॉफ्टवेयर द्वारा क्या–क्या सूचनाएँ एकत्र की जावें, ये आयुष मंत्रालय द्वारा अपने स्तर पर निर्धारित की जा सकती हैं। हमारे कुछ सुझाव निम्न प्रकार से हैं:–

आयुष मंत्रालय भारत सरकार
भारतीय चिकित्सा पद्धतियों/ऐलोपैथी के आधार पर कोविड–19 महामार से बचाव, उपचार एवं स्वास्थ्य लाभ संबंधी आंकड़ों का एकत्रीकरण

a. स्वयं का नाम :_____
b. पिता/पति का नाम :_____
c. लिंग – पुरूष/स्त्री :_____
d. मोबाइल नम्बर :_____
e. पूरा पता :_____
f. व्यवसाय/नौकरी :_____

(लगातार–– 2)

1. यदि आप स्वयं अभी तक कोविड–19 महामारी से बचे हुये हैं तो कृपया निम्न जानकारी उपलब्ध करावें :–

A. कोविड–19 (कोरोना) महामारी से अभी तक बचे रहने का श्रेय आप किसे देते है? (एक से अधिक चिकित्सा पद्धतियों का नाम दे सकते हैं)

- **(i)** आयुर्वेद
- **(ii)** ऐलोपैथी
- **(iii)** योग–प्राणायाम
- **(iv)** होम्योपैथी
- **(v)** अन्य चिकित्सा पद्धति (नाम लिखे जैसे स्वमूत्र चिकित्सा, गोमूत्र चिकित्सा, पंचगव्य, यूनानी, नेचुरोपैथी आदि)

B. उपरोक्त चिकित्सा पद्धतियों की कौनसी औषधियों/प्रकिया को कोविड–19 (कोरोना) महामारी से बचाव का श्रेय देना चाहते हैं, उनकी जानकारी देवें :–

- **(i)** आयुर्वेद (औषधियों/प्रकियाओं के नाम) :–
- **(ii)** एलोपैथी (औषधियों/प्रकियाओं के नाम) :–
- **(ii)** योग–प्राणायाम (योगासनों/प्राणायामों के नाम) :–
- **(iii)** होम्योपैथी (औषधियों/प्रकियाओं के नाम) :–
- **(iv)** अन्य चिकित्सा पद्धति (औषधियों/प्रकियाओ के नाम) :–

2. यदि आप स्वयं कोविड–19 महामारी से ग्रस्त हुये हैं तो कृपया निम्न जानकारी उपलब्ध करावें :–

A. कोविड–19 (कोरोना) महामारी से आप स्वयं ग्रस्त हुये है तो किस चिकित्सा पद्धति से आप ठीक हुये है ? (एक से अधिक चिकित्सा पद्धतियों का नाम दे सकते हैं)

- **(i)** आयुर्वेद
- **(ii)** ऐलोपैथी
- **(iii)** योग–प्राणायम
- **(iv)** होम्योपैथी
- **(v)** अन्य चिकित्सा पद्धति (नाम लिखे जैसे स्वमूत्र चिकित्सा, गोमूत्र चिकित्सा, पंचगव्य, यूनानी, नेचुरोपैथी आदि)

B. उपरोक्त चिकित्सा पद्धतियों की कौनसी औषधियों/प्रकिया से आप कोविड–19 (कोरोना) महामारी से ठीक हुये हैं, उनकी जानकारी देवें :–

- **(i)** आयुर्वेद (औषधियों/प्रकियाओं के नाम) :–
- **(ii)** एलोपैथी (औषधियों/प्रकियाओं के नाम) :–
- **(ii)** योग–प्राणायाम (योगासनों/प्राणायामों के नाम) :–
- **(iii)** होम्योपैथी (औषधियों/प्रकियाओं के नाम) :–
- **(iv)** अन्य चिकित्सा पद्धति (औषधियों/प्रकियाओ के नाम) :–

उपरोक्त सॉफ्टवेयर से एकत्र हुये आंकड़ों का शीघ्रता से और सटीक वर्गीकरण करने के लिए सभी चिकित्सा पद्धतियों की अधिकतम संभावित औषधियों, प्रक्रियाओं और विधाओं के नामों के विकल्प सॉफ्टवेयर में ही अंकित किये जा सकते हैं तथा अन्त में कुछ नाम/जानकारी स्वयं व्यक्ति द्वारा भी टंकित/अंकित करने की सुविधा दी जा सकती है।

आम नागरिकों की रूचि इस सर्वेक्षण में सहयोग देने की और बढाने के लिए प्रत्येक भागीदार को रूपये 50/– (पचास मात्र) का इन्सेन्टिव भी दिया जा सकता है। यह राशि सर्वेक्षण फार्म भरकर सबमिट करने वाले व्यक्ति के मोबाइल के प्लान में जमा करवा कर दी जा सकती है जिसकी सूचना तत्काल उस एक मैसेज द्वारा संबंधित मोबाइल कम्पनी द्वारा दी जावे, ऐसी व्यवस्था तकनीकी रूप से उक्त साफ्टवेयर में ही की जा सकती है। ऐसी ही कोई अन्य सुविधाजनक/उपयुक्त तकनीक अधिकतम लोगों को इस सर्वेक्षण से जोड़ने में उपयोग में लायी जा सकती है।

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की महत्ता और उपयोगिता को पुनः स्थापित करने के लिए अभी एक सुनहरा अवसर है। कृपया हमारे इस ज्ञापन पर राष्ट्रहित में त्वरित सकारात्मक कार्यवाही कर अनुगृहीत करें।

सादर,

भवदीय,

संलग्नः– उपरोक्त प्रेस क्लिप

(पाराशर नारायण शर्मा)
अध्यक्ष

प्रति :– सभी माननीय सांसदों को राष्ट्रहित में आवश्यक कार्यवाही हेतु सादर प्रेषित है। सधन्यवाद।

(पाराशर नारायण शर्मा)
अध्यक्ष

कोरोना : प्रदेश में 98.88 प्रतिशत प्रभावितों को पता ही नहीं चला कि उन्हें कोविड हुआ

दो करोड़ से ज्यादा 'मिस्ड केस', लक्षण दिखे, न जांच

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश में कोरोना भले ही अब राहत के संकेत दे रहा है, लेकिन यह भी सामने आया है कि नवंबर तक प्रत्येक ज्ञात मामले ने उनके संपर्क में आने वाले करीब 70 लोगों को कुछ हद तक प्रभावित किया है। केंद्र सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग डीएसटी की ओर से गठित एक पैनल के सदस्यों के एक विश्लेषण में यह सामने आया है।

इसके निष्कर्षों के अनुसार राजस्थान में अब तक तीन लाख से अधिक संक्रमितों से करीब 2 करोड़ 10 लाख अन्य लोगों को प्रभावित करने की आशंका है।

पढ़ें **दो करोड़** @ पेज 12

प्रदेश में 922 नए संक्रमित, 8 मौत

जयपुर. प्रदेश में कोरोना के नए मामलों में वापस कुछ बढ़ोतरी हुई है। बुधवार को कोरोना के 992 नए मरीज मिले, वहीं 8 मरीजों की मौत हुई है। सर्वाधिक 168 नए मामले जयपुर जिले में मिले हैं। प्रदेश में अब संक्रमितों की कुल संख्या 3,01708 और मृतक संख्या 2642 हो गई है।

कागजी पॉजिटिव

किशनपोल से कांग्रेस विधायक अमीन कागजी भी कोरोना संक्रमित पाए गए हैं। सीएम ने ट्वीट कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

दो करोड़....

राजस्थान पत्रिका 24.12.2020

इस विश्लेषण में देश भर के विभिन्न राज्यों में किए गए एंटीबॉडी टेस्ट को आधार बनाया गया है।

यूके और इटली में यह औसत 10.15: इससे पहले सितंबर में किए गए एक विश्लेषण में पता चला था कि भारत को हर ज्ञात मामले में करीब 60.65 मिस्ड संक्रमणों का सामना करना पड़ा था। भारत का अभी का यह औसत 90 माना गया है। वहीं, अब नवंबर तक अधिकांश राज्य इस औसत के हिसाब से 70.120 की रेंज में हैं। इस आधार पर राजस्थान का भी यह औसत माना गया है। इटली और यूके में यह औसत 10.15 का रहा।

खतरे से बाहर: इस विश्लेषण के अनुसार हर कोविड संक्रमित से 70 से 90 अन्य कोरोना से प्रभावित हुए हैं। वे प्रभावित तो हुए, लेकिन उनमें लक्षण नहीं दिखे और न ही उन्होंने जांच करवाई।

डॉ. वीरेन्द्र सिंह, अस्थमा एवं श्वास रोग विशेषज्ञ